



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 2, 1987/पौष 12, 1908
No. 3] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 2, 1987/PAUSA 12, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1987

अधिमूचना

का. आ. 3 (अ):—दिल्ली नगर निगम के पार्षदों और पीएमयूओं की
पदावधि 7 फरवरी, 1987 को समाप्त होने वाली है।

और यह विचार किया गया है कि महानगर परिषद, दिल्ली और दिल्ली
नगर निगम के निर्वाचित मितव्ययता के हित में और तर्तमान संदर्भ में प्रस्तावन
पर भार को कम करने के लिए साथ-साथ कराया जाए।

2. अतः, केन्द्रीय सरकार, दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 (1957 का 66) का धारा 4 का उपधारा (i) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सभा पार्षदों और पौरमुख्यों की पदावधि को, जो 7 फरवरी, 1987 को समाप्त होने वाली है, एक वर्ष के लिए बढ़ाती है।

[सं. यू. 14011/38/86-दिल्ली.]

अशोक नाथ, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 2nd January, 1987

NOTIFICATION

S.O. 3(E).—Whereas the term of office of the councillors and aldermen of the Municipal Corporation of Delhi is due to expire on the 7th February, 1987.

And whereas it is considered that the elections to the Metropolitan Council, Delhi and the Municipal Corporation of Delhi should be held simultaneously in the interest of economy and to avoid in the present context strain on the administration.

2. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 4 of the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957), the Central Government hereby extends the term of office of all the councillors and aldermen, which is due to expire on the 7th February, 1987, by one year,

[No. U. 14011/38/86-Delhi]

ASHOK NATH, Jt. Secy.